BIHAR 8100 7429 25 Rs.

Sale of ... 775/-
Ramesh ... 44/-
Aes 10/-
Neg 4/-
14/-

Stamp duty paid under ... 28.50
Addl. Stamp duty paid under ... 15.50
44.00

१ लेख्यकारी का नाम:- श्री हरनाम सिंह सुपुत्र श्री मेहर चन्द जाति हिन्दु अरोडा व्यवसाय वाणिज्य निवास स्थान नगर रांची महल्ला उपर बाजार टांड मारकेट रोड वेस्ट थाना जिला रांची।

२लेख्यधारी का नाम:- श्री गौरी शंकर फागिला सुपुत्र श्री प्रेम चन्द्र फागिला जाति हिन्दू मारवाडी व्यवसाय विद्यार्थी निवास स्थान पारस भवन रातु रोड रांची थाना वो जिला रांची।

३ मूल्य परिमाण:- केवल ७७५) सात सौ पचहत्तर रुपया सिर्फ।

४ नाम पत्र विक्रय पत्र सैल डीड

५ भूमि जो विक्रय होती है उसका पूर्ण विवरण:- एक कटठा आठ छटांक ११ वर्ग फीट परती भूमि स्वत्व छपरवन्दी लेख्यकारी की है जिस पर लेख्यकारी दखलकार है उपरोक्त भूमि ग्राम मोहरावादी थाना जिला रांची थाना नं० १६२ सैक्ट नं०-२ खाता नं० १३६ के अन्दर स्थित है विक्रय वाली भूमि का सरवे पलॉट नं० ८६७ नामे सक्क टांड क्षेत्रफल ०-६१ डी० है इस पलॉट नं० ८६७ क्षेत्रफल ०-६१ मधे एक कटठा आठ छटांक ग्यारह वर्गफीट भूमि लेख्यधारी महोदय के हाथ हस्तान्तरीत करते हैं जिसका रांची नगर पालिका सर्वे पलॉट नं० २०५ वार्ड नं० ७ खास सिट नं० ४ क्षेत्रफल ०-८७६ कडी है इस पलॉट नं० २०५ क्षेत्रफल ०-८७६ कडी मधे एक कटठा आठ छटांक ११ वर्ग फिट भूमि लेख्यधारी महोदय के हाथ हस्तांन्तरित

For PANCHRATNA PROMOTERS PRIVATE LIMITED
Pratik More
DIRECTOR

---२

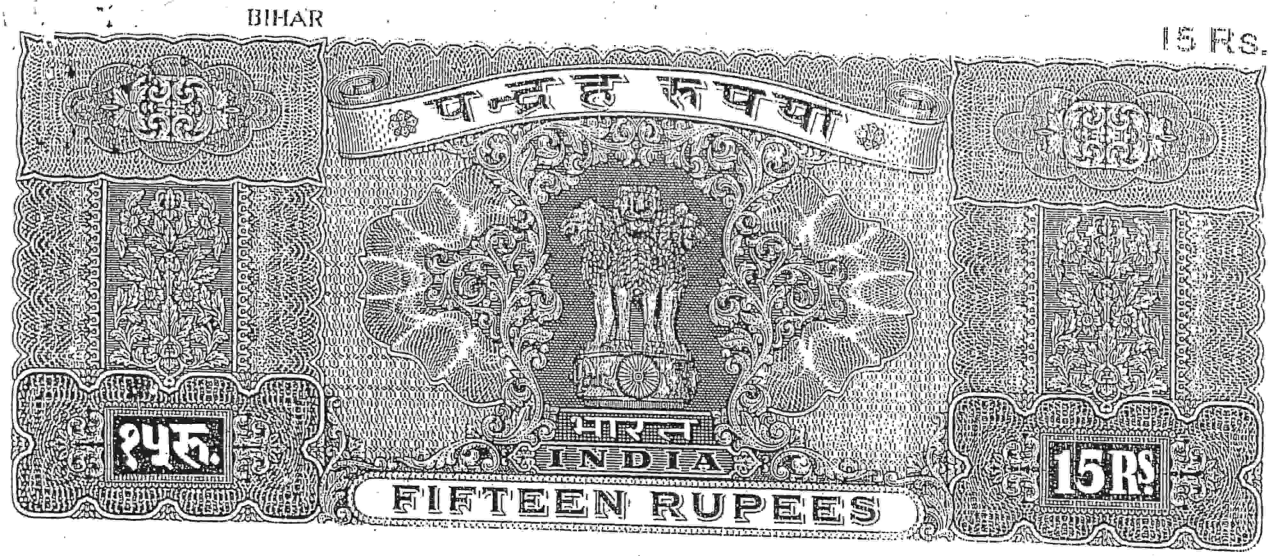

BIHAR

15 Rs.

पन्द्रह रुपया

१५रु.

भारत

INDIA

FIFTEEN RUPEES

15RS.

करते हैं जिसका पूर्ण विवरण इस विक्रय पत्र से संलग्न नक्से में दिया गया है विक्रय वाली भूमि नक्से में लाल रंग से रंग कर प्रर्दशित किया गया है और चिन्ह २०५ बी।२ लिख कर दिखलाया गया है और क्षेत्रफल एक कटठा आठ छटांक एगयारह वर्ग फीट और लैस लिखा हुआ है विक्रइ वाली भूमि का चत: सिमा निम्न प्रकाएक है

पूर्व	रांची नगर पालिका सर्वे पलाट न० २१०
पश्चिम-	राजपथ रोड
उत्तर	सब पलाट न० २०५ बी १
दक्षिण:-	सब पलाट न० २०५ ए०।

जिस का जिला और सब रजिस्ट्री आफिस रांची पड़ता है।

संदर्भ

अथच:- उपरोक्त पलाट न० ८६७ क्षेत्रफल ०-६१ डि० जिसका रांची नगर पालिका सर्वे पलाट न० २०५ वार्ड न० ७ क्षेत्रफल ०-८७६ कडी श्री यदूनन्दन मिश्र की थी श्री यदूनन्दन मिश्र एक विक्रइ पत्र द्वारा जिसकी पुस्तक संख्या १ वोलीम न० १८ पृष्ठ ४३ से ४८ में निबंधित किया हुआ निबन्ध न० १०२७ सनु १९३५ रांची आफिस है श्री राम कुमार गणपत राय जीवरावर दखलकार रहे।वाद में सन् १९४६ ई० में जिसकी तारीख २६-८-१९४६ ई० है श्री राम कुमार गणपतराय जी के उत्तराधिकारीयों में बटवारा रजिस्ट्री के द्वारा हुई जिसकी पुस्तक संख्या १ वोलुम संख्या २५ पृष्ट ५२६-५३७ में निबन्धित किया हुआ निबंध न० ६१९८ वर्ष १९४६ रांची आफिस है उस बटवारा से पलाट न० २०५ मधे २० कटठा श्री देवकी नन्दन मोदी के हिस्से में मिला श्री देवकी नंदन मोदी से लेख्यकारी ने एक विक्रइ पत्र द्वारा जिसकी पुस्तक संख्या १ भोलुम संख्या २५ पृष्ठ संख्या ५११-५१५ निबंधित किया हुआ निबंध न० ५७८६ सन् १९६१ रांची आफिस है २० कटठा

For PANCHRATNA PROMOTERS PRIVATE LIMITED

Prateek More

DIRECTOR

BIHAR

INDIA

4 RS

चार रुपया

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

मधे ८ कट्ठा १३ छटांक जमीन विक्रय लिये। और तब से लेख्यकारी को अपना कारवार करने के लिये रुपयैया की परम आवश्यकता आ पड़ी है इस लिये लेख्यकारी अपना कारवार के लिये केवल ७७५) सात सौ पचहत्तर रुपया नगद लेख्यधारी महोदय से लिया और इस रुपया को उपरोक्त भूमि का मूल्यक निर्धारित करजा समयानुसार उचित यथार्थ और यथेष्ट मूल्य है इस मूल्य के बदले लेख्यकारी अपनी उपरोक्त भूमि जिस का पूर्ण विवरण उपर में कन्ड न० ५ में पूर्ण रुपेण विस्तार पूर्वक दिया गया है लेख्यधारी महोदय के हाथ हस्तान्तरित कर दिया बेच दिया गया है लेख्यधारी महोदय के हाथ में हस्तान्तरीत कर दिया बेच डाला और उन्हें उस भूमि पर अपने स्थान में दखलकार कर दिया लेख्यधारी महोदय उपरोक्त भूमि पर दखलकार होकर और रह कर उस भूमि पर अपनी इच्छा अनुसार भवन अटालिका निमार्ण करावें कूप निमार्ण करावें वाटिका लगावें और भवन आदि निमार्ण कर उस नव निर्मित भवन आदि में स्वयं अपने वास करें अथवा किरा पर लगावें अथवा अपनी इच्छा अनुसार उसे विक्रय पत्र दान पत्र बंधन पत्र भोग बंधन पत्र आनुवन्ध विक्रय पत्र साधारण ऋण पत्रमुकफूल प्रतिभूमि पत्र इत्यादि करें। आज के दिन से उक्त भूमि में लेख्यकारी और लेख्यकारी के उत्तराधिकारीयों स्थानापनों का कोई अधिकार किया स्वतव कुछ भी शेष नहीं रहा और न रहेगा जिस प्रकारा का अधिकारी और स्वत्व इस भूमि पर लेख्यकारी का है अथवा था अथवा होता सो सब स्वतत्व और अधिकार जस का तस लेख्यकारी से विलग होकर उपरोक्त लेख्यधारी महोदय और उन के उत्तराधिकारीयों स्थानापनों को प्राप्त हुआ और प्राप्त होगा। लेख्यधारी महोदय नियमानुसार इस भूमि के लिये अपना नाम लेख्यकारी के नाम के स्थान में रांची नगर पालिका के औफिस में और जिमीन्दार के औफिस में नामांकित करवा लेंवें और अपना नाम नामांकित करवा कर कुपरवन्दी मालगुजारी और नगर पालिका टैक्स जो हो अपने नाम से देकर

For PANCHRATNA PROMOTERS PRIVATE LIMITED

Pratik More

DIRECTOR

रसीद ले लिया करें। लेख्यकारी ने लेख्यकारी महोदय को यह विश्वास और ज्ञान दिलाया है कि उपरोक्त विक्रय वाली भूमि पर कोई ऋण इत्यादि नहीं है यदि भविष्य में कोई ऋण आदि व्यक्त हो तो उसका देनदार और उत्तरदायी लेख्यकारी है और होंगे और देंगे, अत: यह छोडे से शब्दों में विक्रय पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे और आवश्यकता पडने पर काम आवे। ता० ७-८-१९६८ सात अगस्त सन् अरसठ ईस्वी मो० रांची

गवाह

१ Pandey Balmakund Lall. Ranchi 7.8.68

२ Mohanlal Par... 205, Kanke Road, Ranchi. 7.8.68

लेख्यकारी

टंकक

मदन

For PANCHRATNA PROMOTERS PRIVATE LIMITED

Prateek More

DIRECTOR

For PANCHRATNA PROMOTERS PRIVATE LIMITED

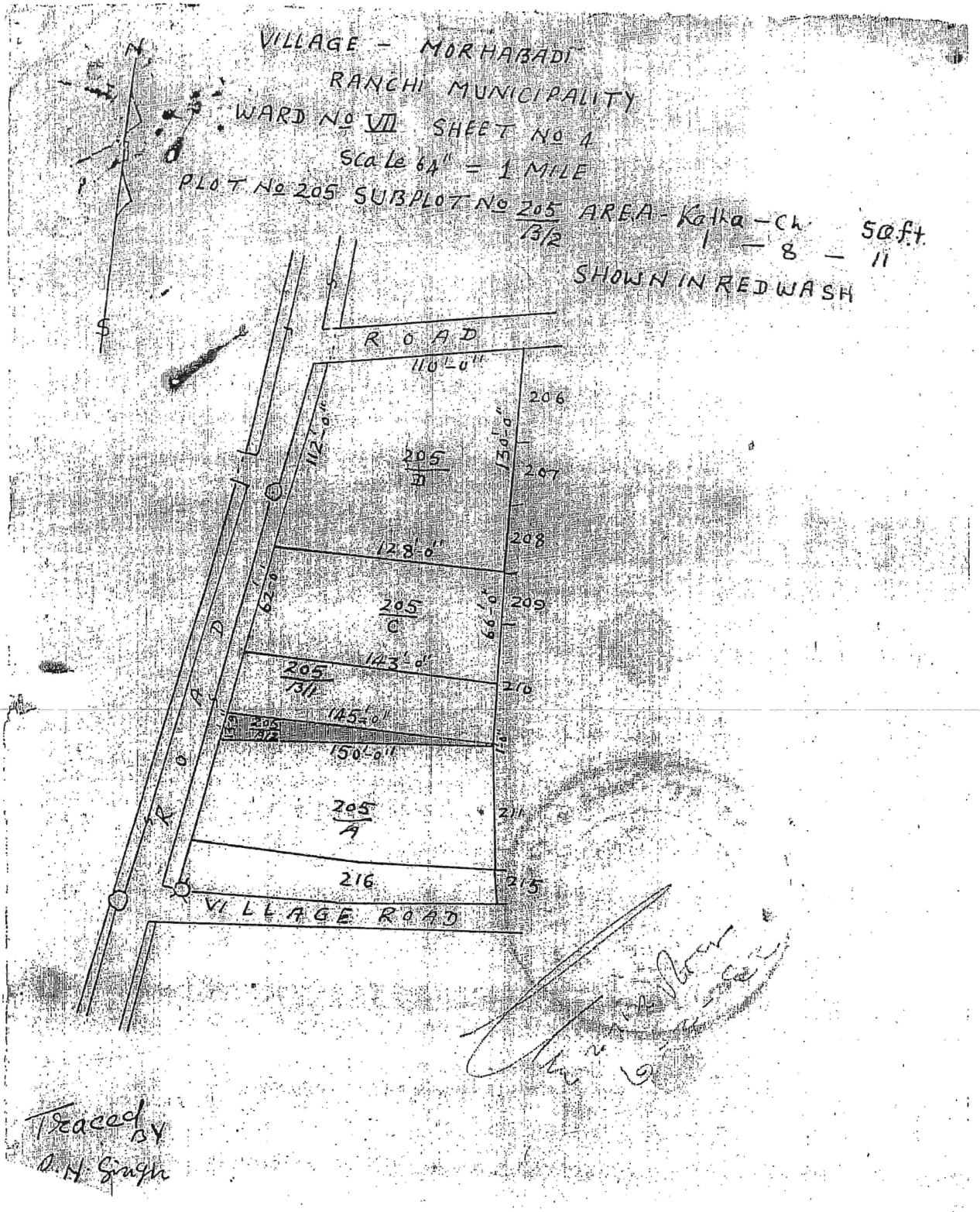

DIRECTOR